अष्ट भुजाधारी बनाने वाली ओम ध्वनि

मुझसे निकलती ओम् ध्वनि की मधुर तरंगें, एक प्रचण्ड ज्योति का रुप धारण किये परमधाम में शिव पिता को टच कर रही हैं। ओम् ध्वनि के रेसपाण्ड में शिव पिता की शक्तिशाली अष्ट शक्तियों से सम्पन्न किरणें परमधाम से मेरे ऊपर पड़ रही हैं। शिव पिता से आती ये शक्तिशाली किरणें बरबस ही मुझे लाइट बनाकर सूक्ष्मवतन में खींच रही हैं। देखें स्वयं को सूक्ष्मवतन में बापदादा के लाइट स्वरुप के सम्मुख ..... ट्यून .....

बापदादा के १० स्वरुप मेरे सम्मुख हैं.....

(१. अशरीरी वा २. फरिश्ता स्वरुप, बाकी ८ साकारी अष्ट शक्तियों से सम्पन्न स्वरुप)

मैं बापदादा के एक-एक स्वरुप के आगे से गुजरकर उनसे प्रवाहित होती एक-एक शक्ति को भुजा के रुप में स्वीकार कर रही हूँ।

प्रथम स्वरुप के आगे - जिस प्रकार ब्रह्मा बाबा ने पहली मुलाकात में ही अपना सारा व्यापार, सारे रिश्ते-नाते समेट लिये, उसी प्रकार मुझे भी अपना सब कुछ समेट लेने की शक्ति बापदादा दे रहे हैं। बापदादा की दृष्टि से निकला प्रकाश, भुजा के रुप में मेरे कन्धे पर आकर स्थित हो गया है..... ट्यून .....

द्वितीय स्वरुप के आगे - जैसे ब्रह्मा बाप ने सारे समाज का विरोध सहन किया, कभी भी डरे नहीं, हिम्मत नहीं हारी, उतनी ही सहन करने की शक्ति बापदादा मुझे दे रहे हैं। बापदादा की दृष्टि से निकलकर सहन शक्ति, भुजा के रुप में मेरे कन्धे पर आकर स्थित हो गयी है ..... ट्यून .....

तीसरे स्वरुप के सामने - जैसे बापदादा सभी बच्चों की बातें सुनकर स्वयं में समा लेते हैं, वही समाने की शक्ति बापदादा की दृष्टि से निकल भुजा के रुप में मेरे कन्धे पर आकर विराजमान हो गयी है ..... ट्यून .....

चौथा स्वरुप - जैसे ब्रह्मा बाबा अपने सम्मुख आने वाली हर आत्मा को सेकण्ड में परख लेते थे, कभी आत्माओं से धोखा नहीं खाया। वही परखने की शक्ति बापदादा की दृष्टि से निकलकर भुजा रुप में मेरे कन्धे पर आकर विराजमान हो गयी है। अब मैं आत्मा स्वयं को अत्यन्त शक्तिशाली महसूस कर रही हूँ ..... ट्यून .....

अब मैं बापदादा के **पाँचवे स्वरुप** के सामने हूँ। जिस प्रकार ब्रह्मा बाबा वादियों की बातें सुनकर उन्हें निष्पक्ष होकर निर्णय देते थे। कभी भी किसी का पक्षपात नहीं किया। सदा ही सबको समान समझा। मुझे भी बापदादा वही शक्ति दे रहे हैं। बापदादा की दृष्टि से

निकली निर्णय शक्ति, भुजा रुप में मेरे कन्धे पर स्थित हो गयी है ..... ट्यून .....

छठे स्वरुप के आगे - जिस प्रकार ब्रह्मा बाप ने विरोधी आत्माओं की कोई परवाह नहीं की, उन्हें मारने आये तो भी ब्रह्मा बाप ने निडर होकर उन्हें अपने पितृवत स्नेह की डोर में बाँध लिया, वही सामना करने की शक्ति बापदादा की दृष्टि से निकलकर भुजा रुप में मेरे कन्धे पर आकर विराजमान हो रही है ..... ट्यून .....

सातवें स्वरुप के सामने - जैसे ब्रह्मा बाबा ने अयोग्य, असहयोगी, अपमान करने वाली आत्माओं को भी सम्भाला, मेरा बच्चा कहकर दिल का स्नेह दिया और जीवन भर पालना करते, सहयोग देते रहे। वही सहयोग की शक्ति बापदादा के नयनों से निकलकर भुजा रुप में मेरे कन्धे पर स्थित हो रही है ..... ट्यून .....

आठवें स्वरुप के सम्मुख स्वयं को देखें - जिस प्रकार ब्रह्मा बाप अनेक भाइयों-बहनों की पालना करते, सदा पवित्र बनने-बनाने की शिक्षा देते रहे। स्वयं अशरीरी होकर, देह और देह के सम्बन्धों के विस्तार को समेटकर सबको आत्मिक "बिन्दु" स्वरुप में स्थित होने के लिए प्रेरित करते रहे, वही संकीर्ण करने की शक्ति बापदादा की दृष्टि से निकलकर आठवीं भुजा के रुप में मेरे कन्धे पर आकर स्थित हो गयी है ..... ट्यून .....

अब मैं आत्मा अष्ट शक्तियों से सम्पन्न होकर अष्ट भुजाधारी, मास्टर सर्वशक्तिवान बन गयी हूँ। मैं आत्मा भी ब्रह्मा बाप समान सेकण्ड में अपनी सर्व कर्मेन्द्रियों को संकीर्ण कर देह से न्यारी "बीजरुप अवस्था" में जितना समय चाहूँ स्थित रह सकती हूँ। मुझे अनादि अवस्था से भटकाने वाले व्यर्थ संकल्प भी अब पूरी तरह समाप्त हो गये है। अब मैं पूर्णतया निर्विघ्न अवस्था का अनुभव कर रही हूँ ..... ट्यून .....

अब मुझ आत्मा को मास्टर दाता बन, बापदादा द्वारा प्राप्त ये सर्वशक्तियाँ विश्व की सर्व आत्माओं तक पहुँचानी हैं।

अब मैं फरिश्ता, विश्व ग्लोब पर इन सर्व-शक्तियों की सकाश बिखेर रहा हूँ। .... ट्यून ..... समस्त मानव जाति पर इन शक्तियों का प्रभाव दिख रहा है। साथ-साथ प्रकृति के पाँचों तत्व भी पावन बन रहे हैं ..... ट्यून .....

ओम शान्ति्